स्थापित वर्ष 2009

विवरणिका एवं प्रवेश निर्देशिका

द्रौपदी देवी विन्ध्याचल स्नातकोत्तर महाविद्यालय

(सम्बद्ध – दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर)

अहिरौली, सिहोंरवाँ, गोरखपुर

सम्पर्क सूत्र : 0551–2105424,

मो0:– 9793654772, 8736907193, 8005371538

E-mail : ddvm781@gmail.com

Website : www.ddvmahavidyalay.in

कला एवं वाणिज्य संकाय

बी.ए. ॥ बी.कॉम ॥ एम.ए.

दो शब्द...

01 जुलाई 2019 को यह महाविद्यालय अपने ग्यारहवें शैक्षणिक सत्र में प्रवेश करने जा रहा है। नए शैक्षिक सत्र में प्रवेश लेने वाले सभी सुधी छात्र/छात्राओं के प्रति हार्दिक शुभकामना व्यक्त करता हूँ और आशा करता हूँ कि महाविद्यालय के शैक्षिक उत्थान एवं शांतिपूर्ण पठन-पाठन का माहौल बनायें रखने में वे अपनी महती भूमिका निभाते रहेंगे। इसके साथ ही समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदात्वों का निर्वाह करते रहेंगे।

इस क्षेत्र में रहने वाले लोग मानवीय गुणों से आच्छादित, आर्थिक, सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न होने के बावजूद शैक्षिक पिछड़ेपन के कारण तमाम कोशिशों के बावजूद विकास के शीर्ष मुकाम तक आज भी नहीं पहुँच पाये हैं। सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकारों से जुड़ने के कारण यह कमी बराबर हमारे मन में शालती रही है। हमारी इच्छा महाविद्यालय को एक ऐसे शैक्षिक केन्द्र के रूप में विकसित करने की है कि यहाँ पारम्परिक कोर्स के अतिरिक्त व्यावसायिक, तकनीकि और प्रबन्धन कोर्स की पढ़ाई हो सके और यहाँ पढ़ने वाले छात्र/छात्राओं को बेहतर विकल्प चुनने का अवसर मिल सके। इस कड़ी में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत प्रवेशार्थियों को स्वरोजगार हेतु नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा।

सत्र 2016-17 से परास्नातक (एम.ए.) स्तर पर हिन्दी और गृह विज्ञान, नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग (एन.टी.टी.), ट्रीपल सी. (कम्प्यूटर कोर्स), बाम्बे आर्ट एवं राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से कई व्यावसायिक कोर्स का संचालन हो रहा है।

सत्र 2017-18 से ही स्नातक में शारीरिक शिक्षा, सैन्य विज्ञान एवं संगीत तथा परास्नातक में रा.शा., स.शा., तथा शिक्षा शास्त्र विषयों की पढ़ाई हो रही है तथा इसी सत्र से प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र की स्थापना और संचालन प्रारम्भ हो जायेगा।

विगत सत्रों के सफल संचालन में सहयोग के लिए संस्था के प्राचार्य, प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाएं, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी, अध्ययन करने वाले छात्र / छात्राएं एवं अभिभावक निश्चित रूप से साधुवाद के पात्र हैं।

बृजेश यादव
प्रबन्धक
(ब्लाक प्रमुख-जंगल कौड़िया, गोरखपुर)
मो. 9918070580

डॉ. कृष्ण मुरारी पाल
प्राचार्य
मो. 8858797725

प्राचार्य की कलम से...

आपको यह बताते हुए हर्ष की अनुभूति हो रही है कि यह महाविद्यालय 01 जुलाई 2019 से अपने ग्यारहवें शैक्षणिक सत्र में प्रवेश करने जा रहा है। नूतन सत्रारम्भ के अवसर पर हम, सभी सुधी छात्रों, अभिभावकों एवं अध्यापकों को बधाई देते हुए आशा करते हैं कि उनका स्नेह और सहयोग हमें आगे भी प्राप्त होता रहेगा। गुणवत्तायुक्त शिक्षा, बेहतर स्वच्छ शैक्षणिक परिवेश, नकल विहीन परीक्षा, बेहतर उत्तीर्णांक प्रतिशत, बेहतर अनुशासन हमारी प्राथमिकता रही है। अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षणेत्तर गतिविधियों के संचालन में हमारा यथासम्भव सहयोग रहा है। इस क्रम में क्रीड़ा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद, निबन्ध प्रतियोगिता के आयोजन के साथ ही साथ एन.एस.एस. की सक्रिय इकाइयाँ अहम भूमिका निभा रही हैं। आज के परिवेश में कम्प्यूटर की बढ़ती उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए नि:शुल्क कम्प्यूटर की सुविधा विगत वर्ष से ही महाविद्यालय में उपलब्ध करा दी गयी हैं। विद्यार्थियों के बहुआयामी व्यक्तित्व के विकास के लिए कुशल, योग्य एवं अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा महाविद्यालय में नियमित कक्षाएं ली जाती हैं। आमंत्रित विद्वानों, प्रोफेसर तथा विषय विशेषज्ञों द्वारा विशेष व्याख्यान भी दिये जाते हैं। पूरे सत्र में आयोजित प्रतियोगिताओं में चयनित विद्यार्थियों को वार्षिकोत्सव में पुरस्कृत किया जाता है। बी.ए. प्रथम वर्ष मे सर्वाधिक अंक पाने वाले संस्थागत विद्यार्थियों को आगत दो वर्षों तक नि:शुल्क प्रवेश की सुविधा दी जाती है एवं निर्धन छात्र-छात्राओं को विशेष छात्रवृत्ति योजना इस सत्र से प्रारम्भ की जायेंगी ।

अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा के साथ इस संस्था से जुड़कर यह महसूस किया हूँ कि यहाँ प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है इन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर देने की। सत्र 2013-14 में इस महाविद्यालय की छात्रा कु0 सोनी कन्नौजिया ने स्नातक कला वर्ग में दी0द0यू0गो0 विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया तथा सत्र 2016 में कु0 श्रुति यादव ने स्नातक कला वर्ग में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया तथा इस वर्ष स्नातकोत्तर गृह विज्ञान विषय में विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर न केवल इस महाविद्यालय के गौरव को बढ़ाया अपितु महाविद्यालय के शैक्षिक गुणवत्ता को पुष्ट भी किया है।

इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में साहित्य परिषद् का गठन किया गया है, जिसके माध्यम से पूरे सत्र में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। हमने अनुभव किया है कि ग्रामीणांचल में स्थित मेधावी छात्र/छात्राएँ अर्थाभाव या उचित मार्गदर्शन के अभाव में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं। इस सत्र से हमारा प्रयास होगा कि प्रत्येक महीने के आखिरी शनिवार को कैरियर काउन्सलर बुलाकर यहाँ अध्ययन करने वाले प्रत्येक छात्र/छात्राओं को कैरियर के बारे में उचित जानकारी दी जाय, जिससे यहाँ के विद्यार्थी सरकारी सेवाओं में चयनित हों। हमारा प्रयास है कि यहाँ अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को वह सभी सुविधाएँ प्रदान करायी जाए जिससे उनका जीवन और भविष्य बेहतर हो सके। विगत सत्रों के सफल संचालन में सहयोग के लिए संस्था के प्रबन्धतंत्र, प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाएँ तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी, अध्ययन करने वाले छात्र/छात्राएँ एवं अभिभावक निश्चित रूप से साधुवाद के पात्र हैं।

हमारे प्रेरणा स्रोत

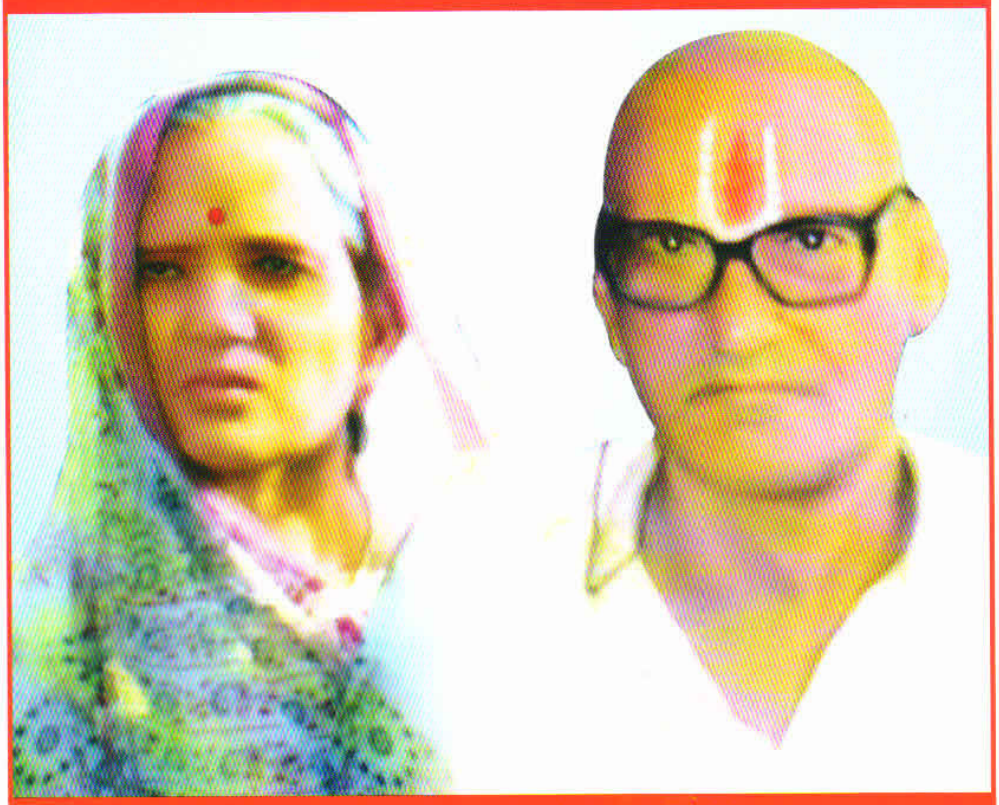

स्मृतिशेष - श्रीमती द्रौपदी देवी एवं श्री विन्ध्याचल यादव

जिनकी प्रेरणा से यह स्वप्न साकार हुआ
उनको शत्-शत् प्रणाम्